अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

26 March, 2018

भारत में तेजी से बढ़ रहा है प्रोस्टेट कैंसर

प्रोस्टेट ग्रंथि केवल पुरूषो में पाई जाती है जो उनके प्रजनन प्रणाली का एक हिस्सा है. यह मूत्राशय के नीचे और मलाशय के सामने स्थित होता है. पौरूष ग्रंथि मूत्रमार्ग के चारों और होता है, मूत्रमार्ग मूत्र को मूत्राशय से लिंग के रास्ते निष्कासित करता है. वीर्य पुटिका ग्रंथि जो वीर्य का तरल पदार्थ बनाती है पौरूष ग्रंथि के पीछे स्थित होती है. पौरूष ग्रंथि एक गाढ़े तरल पदार्थ का उत्पादन करती है. यह पदार्थ वीर्य को तरल बनाता है, तथा शुक्राणु कोशिकाओं का पोषण व रक्षा करता है. यह मूत्र के प्रवाह को नियंत्रित करने में भी महत्तवपूर्ण भूमिका निभाता है. ये बातें महानगर के यूरोलॉजिस्ट डॉ अमित घोष ने कहीं. उन्होंने प्रोस्टेट कैंसर के विषय बताते हुए कहा कि प्रोस्टेट कैंसर प्रोस्टेट की कोशिकाओं में बनने वाला एक प्रकार का कैंसर है. पौरूष ग्रंथि में कई प्राकर की कोशिकाएँ पाई जाती है, लगभग सभी प्रोस्टेट कैंसर, ग्रंथि कोशिकाओं से विकसित करते है (एडिनोकार्सिनोमा) अन्य प्रकार के प्रोस्टेट कैंसर कम पाये जाते हैं. प्रोस्टेट कैंसर आमतौर पर बहुत ही धीमी गति से बढ़ता है. ज्यादातर रोगियों में तब तक लक्षण नहीं दिखाई देते जब तक कि कैंसर उन्नत अवस्था में नही पहुँचता. कई मरीजों को तो ज्ञात ही नहीं होता कि उन्हें प्रोस्टेट कैंसर हैं. लेकिन एक बार प्रोस्टेट कैंसर विकसित हो जाता है और बाहर की तरफ फैलने लगता है तो यह खतरनाक हो जाता है. प्रोस्टेट कैंसर प्रोस्टेट की कोशिकाओं में बनने वाला एक प्रकार का कैंसर है। यद्यपि पौरूष ग्रंथि में कई प्राकर की कोशिकाएँ पाई जाती है, लगभग सभी प्रोस्टेट कैंसर, ग्रंथि कोशिकाओं से विकसित करते है (एडिनोकार्सिनोमा) अन्य प्रकार के प्रोस्टेट कैंसर कम पाये जाते हैं.

डॉ अमित घोष
यूरोलॉजिस्ट, कोलकाता

दिल्ली, कोलकाता, पुणे और तिरूवनंपुरम में बेंगलुरू और मुबंई जैसे शहरों में प्रोस्टेट कैंसर के मामले अधिक देखे जा रहे हैं. आंकड़े बताते हैं कि भारत के सभी क्षेत्र इस कैंसर से प्रभावित हैं. प्रोस्टेट कैंसर की घटना दर लगातार तीव्र गति से बढ़ रही हैं. यह अनुमान लगाया जा रहा हैं कि 2020 तक प्रोस्टेट कैंसर के मामले दुगुने हो जायेंगे.